Chapter 1

हिंदी साहित्य का इतिहास

Kesha Ram Chouhan, Department of Hindi
Shri Jain Terapanthi College, Ranawas, Pali

इतिहास का शाब्दिक अर्थ – ऐसा ही हुआ था ।
इतिहास शब्द की व्युत्पत्ति – इति+ह+अस
इति = समाप्त
ह = निश्चित
अस् = होना
जिसकी निश्चित समाप्ति हो चुकी है।
आज के युग में इतिहास कला की अपेक्षा विज्ञान के समीप माना जाता है।
इतिहासकार से प्रमाणिक निष्कर्ष, तथ्यों की पूर्णता, दृष्टिकोण की वस्तुपरकता अपेक्षित है।
इतिहास को लेकर भारतीय दृष्टिकोण आदर्शवादी एवं अध्यात्मवादी रहा है एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण यथार्थवादी।
आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार – प्रत्येक देश का साहित्य वहां की जनता की चित्तवृत्ति का संचित प्रतिबिम्ब होता है।
साहित्य शब्द की व्युत्पत्ति – साहित्य = स+हित+य के योग से बना है।
अर्थ है मिलना, एकत्र होना।
साहित्य का इतिहास –
साहित्य के इतिहास में सम्बंधित रचनाओं का अध्ययन ऐतिहासिक दृष्टिकोण से करते हैं ।
डॉ० नगेन्द्र – साहित्य का इतिहास बदलती हुई अभिरुचियों और संवेदनाओं का इतिहास है जिनका संबंध आर्थिक और चिंताजनक परिवर्तन से है।
हिंदी साहित्य के प्रमुख इतिहास लेखक – गार्सा द तासी ,सर जार्ज ग्रियर्सन, मिश्रबंधु, शिवसिंह सेंगर, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, मौलवी करीमुद्दीन, हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ ० नगेन्द्र आदि।

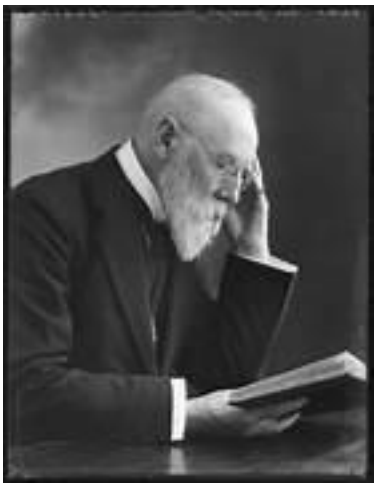

हिंदी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रंथ एवं उनके लेखक विवरण सहित –

1 द मॉर्डन वर्नाक्यूलर लिटरेचर ऑव नॉर्दन हिन्दुस्तान – सर जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन।
प्रकाशन –1888 प्रकाशक – द रायल एशियाटिक ऑव बंगाल की पत्रिका के विशेषांक के रूप में प्रकाशित।
एक स्वतंत्र इतिहास पुस्तक के रूप में इसका प्रकाशन –1889 में हुआ।
इस ग्रंथ में हिंदी के 952 कवियों का परिचय कालक्रमानुसार लिखा गया।
काल विभाजन एवं कार्यक्रमानुसार कवि परिचय।
नोट – हिंदी साहित्य का सर्व प्रथम इतिहास कालक्रमानुसार।

2 इस्तवार द ला लितरेत्यूर ऐन्दुई ऐन्दुस्तानी– गार्सा द तासी (फ्रेंच भाषा)
प्रकाशन दो भागों में – प्रथम संस्करण –पहला भाग–1839 दुसरा भाग–1847

ISBN: 978-93-344-1269-7

द्वितीय संस्करण तीन भागों में –पहला व दुसरा –1870 तीसरा 1871

इस ग्रंथ में गार्सा द तासी ने 738 कवि व लेखकों का वर्णन किया जिसमें से 72 हिंदी के कवि व लेखक बाकी उर्दू के कवि व लेखक ।

नोट –1 हिंदी साहित्य का इतिहास लिखने का सर्व प्रथम प्रयास

2 कवियों के जीवन एवं कृतित्व का परिचय।

3 तजकिरा ई शुअला ई हिंदी या तबकातुशुआस– मौलवी करीमुद्दीन

प्रकाशन –1848, दिल्ली कॉलेज द्वारा प्रकाशित।

इस ग्रंथ में कुल 1004 कवियों का विवरण हैं। जिनमें से 62 कवि हिंदी के हैं।

4 शिवसिंह सरोज – ठाकुर शिवसिंह सेंगर

नवलकिशोर प्रकाशन लखनऊ से 1878 में प्रकाशित हुआ।

इस ग्रंथ में 838 कवियों का वर्णन है तथा इसके अंतिम भाग में 1003 कवियों के जीवन चरित वर्णित है। इसका द्वितीय संस्करण 1883 में प्रकाशित हुआ।

नोट – हिंदी साहित्य का इतिहास लिखने का द्वितीय प्रयास ,

किसी भारतीय विद्वान का सर्वप्रथम प्रयास।

5 मिश्रबंधु विनोद – मिश्रबंधुः– इस ग्रंथ का चार भागों में प्रकाशन हुआ।

एक से तीन भाग–1913 चौथा भाग –1934 में प्रकाशित हुआ।

नोट – समालोचना सहित वर्णन।

मिश्र बंधु विनोद में 4591 कवियों का वर्णन किया गया है कवियों के नाम के साथ 14 उपकालों की स्थापना की गई है।

मिश्रबंधु –

1 राव राजा श्याम बिहारी मिश्र

2 पं० गणेश बिहारी मिश्र

3 राय बहादुर डॉ० शुकदेव बिहारी मिश्र

मिश्रबंधु की अन्य रचना– हिंदी नवरत्न 1910 ई तुलसीदास, सूरदास,देव, बिहारी, त्रिपाठी बंधु(भूषण व मतिराम) केशव, कबीर, चन्द्र, हरिश्चंद्र ।

6 हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल 1928 में हिंदी शब्द संग्रह का प्रकाशन पूर्ण हुआ।

हिंदी साहित्य का विकास – यह 1929 में शब्द सागर की भूमिका के रूप में प्रकाशित हुआ बाद में यही हिंदी साहित्य के इतिहास के रूप में जनवरी 1929 में प्रकाशित हुआ।

नोट –समाज एवं साहित्य की परम्पराओं के मध्य सामंजस्य स्थापित करने वाला इतिहास ।

यह ग्रंथ हिंदी साहित्य के लिए श्रीमद्भागवत या इंजिल के समान है।

आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा हिन्दी साहित्य के 900 वर्षों के इतिहास को चार काल खंडों में विभाजित किया गया।

कालक्रम निर्धारण –

1 वीरगाथाकाल 1050 से 1375 वि. स. (आदिकाल)

2 पूर्व मध्यकाल 1375 से 1700 वि. स. (भक्तिकाल)

3 उत्तर मध्यकाल 1700 से 1900 (रीतिकाल)

4 गद्यकाल 1900 से 1985 वि .स . (आधुनिक काल)

आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने वीरगाथाकाल नामकरण के लिए निम्न 12 ग्रंथों का आधार लिया था –

1 विजय पाल रासो – नल्ल सिंह भाट

2 हम्मीर रासो – सारंगधर

3 पृथ्वीराज रासो – चन्द बरदाई

4 परमाल रासो – जगनिक

5 बीसलदेव रासो – नरपति नाल्ह

6 खुमाण रासो – दलपत विजय

7 कीर्ति लता – विद्यापति

8 कीर्ति पताका – विद्यापति

9 विद्यापति की पदावली – विद्यापति

10 जयचन्द प्रकाश – भट्ट केदार

11 जय मयंक जसचंद्रिका – मधुकर कवि

12 खुसरो की पहेलियां – अमीर खुसरो ।

7 हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. राम कुमार वर्मा

नोट – यह शोध ग्रंथ है।

कालावधि निर्धारित आलोचनात्मक इतिहास।

8 हिंदी भाषा और साहित्य का विकास – अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध कृत

ISBN: 978-93-344-1269-7

नोट – हिंदी भाषा को लक्ष्य करके लिखा गया इतिहास।

9 हिंदी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास – सूर्यकांत शास्त्री।

नोट – यह संक्षिप्त एवं विवेचनात्मक है।

10 हिंदी भाषा एवं साहित्य का इतिहास – आचार्य चतुर सेन शास्त्री।

नोट – संक्षिप्त एवं विवेचनात्मक इतिहास ।

11 हिंदी साहित्य का वृहद इतिहास – ज्ञानपीठ, काशी नागरी प्रचारिणी सभा एवं भारतीय साहित्य परिषद प्रयागराज द्वारा प्रकाशित।

नोट – यह इतिहास समग्रता को लेकर लिखा गया।

ISBN: 978-93-344-1269-7